GUEST LECTURES

VIVEKANAND COLLEGE
ESTD
JUNE
1964
KOLHAPUR-416 003

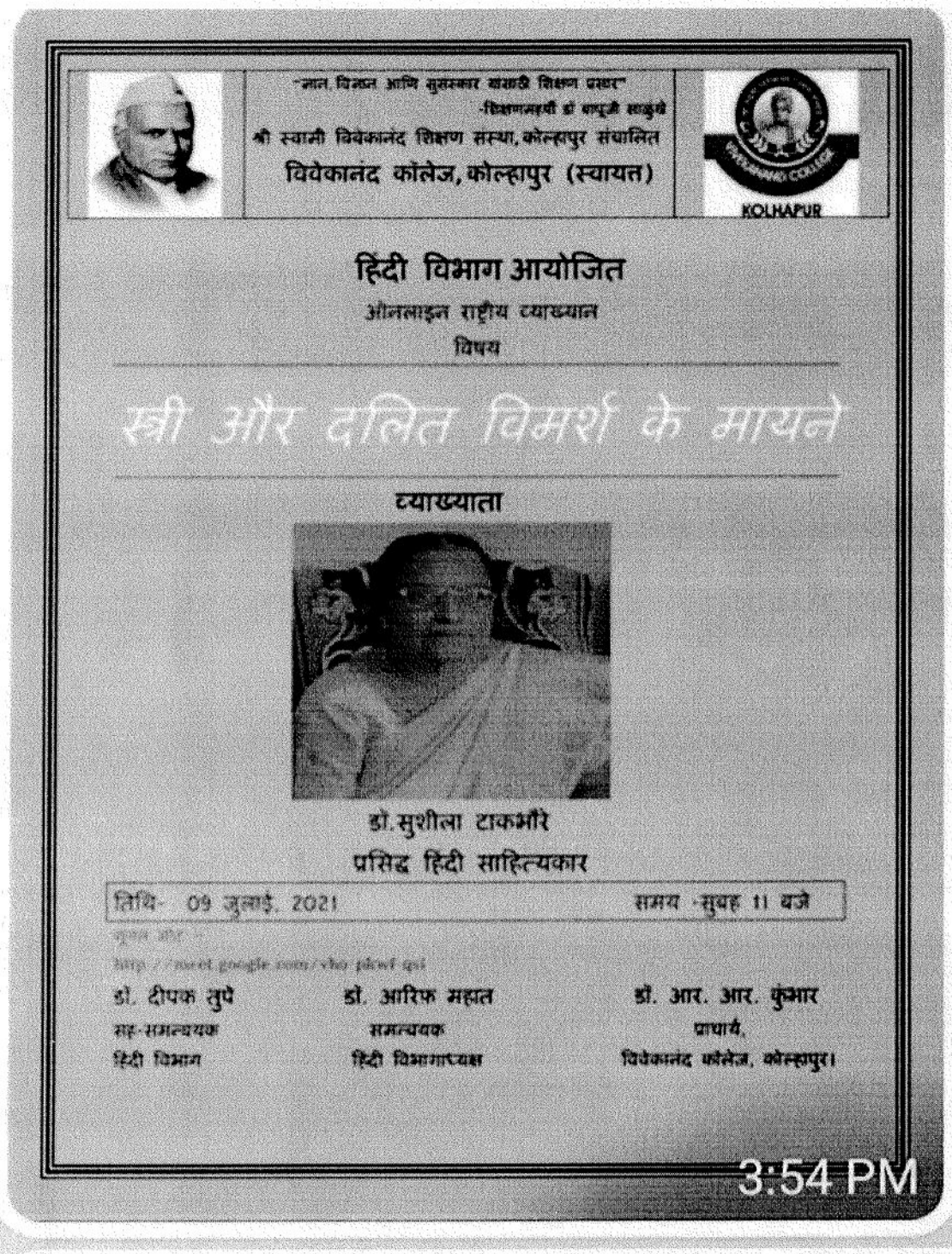

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर(स्वायत्त)

हिंदी विभाग आयोजित

राष्ट्रीय व्याख्यान

विषय- स्त्री और दलित विमर्श के मायने

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR-416 003 ESTD JUNE 1964

दिनांक- 9 जुलाई, 2021

समय- सुबह 11 बजे से दोपहर

Jr. College Recog. No. H.S.C./1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College U.Dise No. 27341301006

''ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार''
शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd. : June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त)

२१३०, ई, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६ ००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नीत
नॅक मानांकन : 'A' (सी.जी.पी.ए. ३.२४)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज - डी.बी.टी. - भारत सरकार
आय.एस.ओ. ९००१:२०१५

(स्वायत्त) कोल्हापूर

Ph. : 0231-2658612, 2658840 | Fax : 0231-2658840 | Resi. : 0231-2653962 | Website : www.vivekanandcollege.org | E-mail : info@vivekanandcollege.org

संस्थापक
डॉ. बापूजी साळुंखे
D. Lit.

अध्यक्ष
मा. आमदार चंद्रकांत दादा पाटील
MLA

कार्याध्यक्ष
प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे
M.A.

सचिव
प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे
M.Sc., B.Ed.

प्राचार्य
डॉ. आर. आर. कुंभार
M.Sc. M.Phil. Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. /

दिनांक :

सेवा में ,
डॉ. सुशीला टाकभौरे
प्रसिध्द हिंदी साहित्यकार ,
नागपूर.

विषय : प्रमुख वक्ता के रुप में उपस्थित रहने हेतु . . . .

मा. महोदया,

हमारे विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त) हिंदी विभाग की ओर से दि. ९ जुलाई, २०२१ को **स्त्री और दलित विमर्श के मायने** विषय पर ऑनलाईन राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया हैं। आपसे अनुरोध है कि आप इस व्याख्यान में प्रमुख वक्ता के रुप में उपस्थित रहकर हमें अपना अनमोल सहयोग देने की कृपा करें और हमारे विद्यार्थियों को लाभान्वित करें।

धन्यवाद सहित !

भवदीय,

(डॉ. आरिफ महात)
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

(डॉ. आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज
कोल्हापूर

VIVEKANAND COLLEGE * ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416 003

G:Hindi Dept/gen med

Jr. College Recog. No. H.S.C./1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College U.Dise No. 27341301006

''ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार''
शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd. : June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त)

२१३०, ई, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६ ००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नीत
नॅक मानांकन : 'A' (सी.जी.पी.ए. ३.२४)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज - डी.बी.टी. - भारत सरकार
आय.एस.ओ. ९००१:२०१५

(स्वायत्त) कोल्हापूर

Ph. : 0231-2658612, 2658840 | Fax : 0231-2658840 | Resi. : 0231-2653962 | Website : www.vivekanandcollege.org | E-mail : info@vivekanandcollege.org

संस्थापक
डॉ. बापूजी साळुंखे
D. Lit.

अध्यक्ष
मा. आमदार चंद्रकांत दादा पाटील
MLA

कार्याध्यक्ष
प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे
M.A.

सचिव
प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे
M.Sc., B.Ed.

प्राचार्य
डॉ. आर. आर. कुंभार
M.Sc. M.Phil. Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. /

दिनांक :

सेवा में ,
डॉ. सुशीला टाकभौरे
प्रसिध्द हिंदी साहित्यकार ,
नागपूर.

विषय : कृतज्ञता ज्ञापन . . . . .

मा. महोदया,

हमारे विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त) हिंदी विभाग की ओर से दि. ९ जुलाई, २०२१ को **स्त्री और दलित विमर्श के मायने** विषय पर ऑनलाईन राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया था। आपने इस व्याख्यान में प्रमुख वक्ता के रुप में उपस्थित रहकर हमारे विद्यार्थियों को लाभान्वित किया इसलिए महाविद्यालय आपका ऋणी हैं। आशा है कि भविष्य में भी आपसे ऐसा ही सहयोग मिलता रहेगा ।

धन्यवाद सहित !

भवदीय,

(डॉ. आरिफ महात)
अध्यक्ष, हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

(डॉ. आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य

प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज
कोल्हापूर.

VIVEKANAND COLLEGE * KOLHAPUR-416 003 * ESTD JUNE 1964

G:Hindi Dept/gen med

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

KOLHAPUR

हिंदी विभाग आयोजित

ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान

विषय

स्त्री और दलित विमर्श के मायने

व्याख्याता

डॉ.सुशीला टाकभौरे

प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार

तिथि- 09 जुलाई, 2021 समय -सुबह 11 बजे

गूगल मीट -

http://meet.google.com/vho-pkwf-qsi

डॉ. दीपक तुपे	डॉ. आरिफ़ महात	डॉ. आर. आर. कुंभार
सह-समन्वयक	समन्वयक	प्राचार्य,
हिंदी विभाग	हिंदी विभागाध्यक्ष	विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर।

VIVEKANAND COL... ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416 003

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

के हिंदी विभाग की ओर से आयोजित

ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान

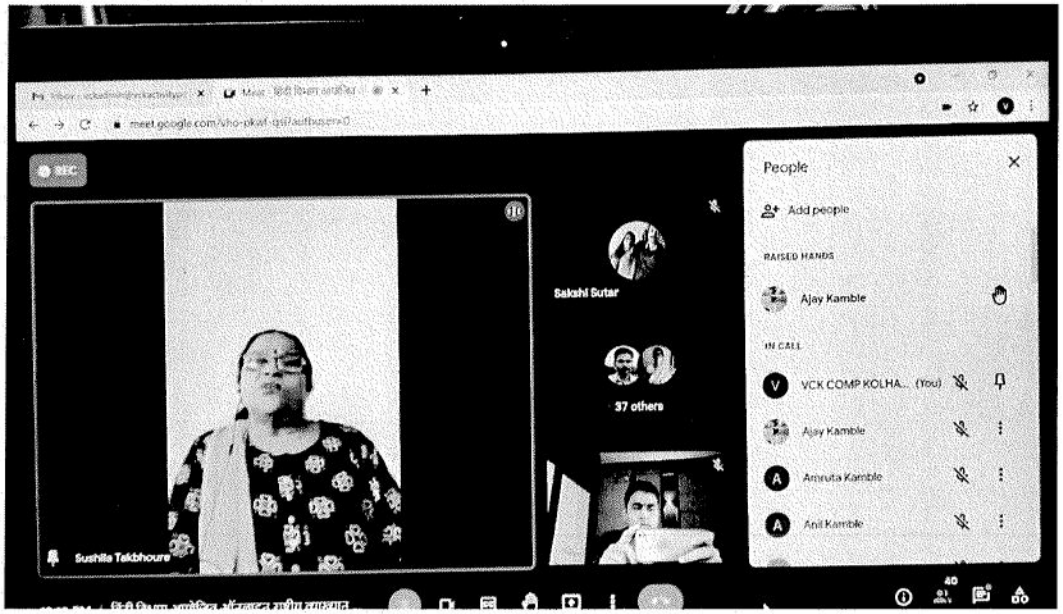

विषयः स्त्री और दलित विमर्श के मायने

ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में मार्गदर्शन करते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ सुशीला टाकभौरे।

ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में मार्गदर्शन करते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सुशीला टाकभौरे।

'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार'

- शिक्षण महर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2020-2021

राष्ट्रीय व्याख्यान

विषय: स्त्री और दलित विमर्श के मायने

(दि. 09/07/2021, समय : सुबह 11.00 बजे)

- प्रस्ताविक तथा अतिथि परिचय :- **डॉ. आरिफ महात**

- प्रमुख अतिथि का मंतव्य : - डॉ. सुशीला टाकभौरे
  सुप्रसिद्ध साहित्यकार

- अध्यक्षीय संबोधन : - **डॉ. आर. आर. कुंभार,**
  प्राचार्य,
  विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर।

- सूत्रसंचालन :- **कु. काजल इंडिकर**
- आभार :- **डॉ. दीपक तुपे**
- संयोजन : हिंदी विभाग
- स्थान : ऑनलाइन

* विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त) के हिंदी विभाग की ओर से 'स्त्री और दलित विमर्श के मायने' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय व्याख्यान में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुप्रसिद्ध लेखिका सुशीला टाकभौरे जी। साथ हैं डॉ. दीपक तुपे जी और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आरिफ महात जी।*

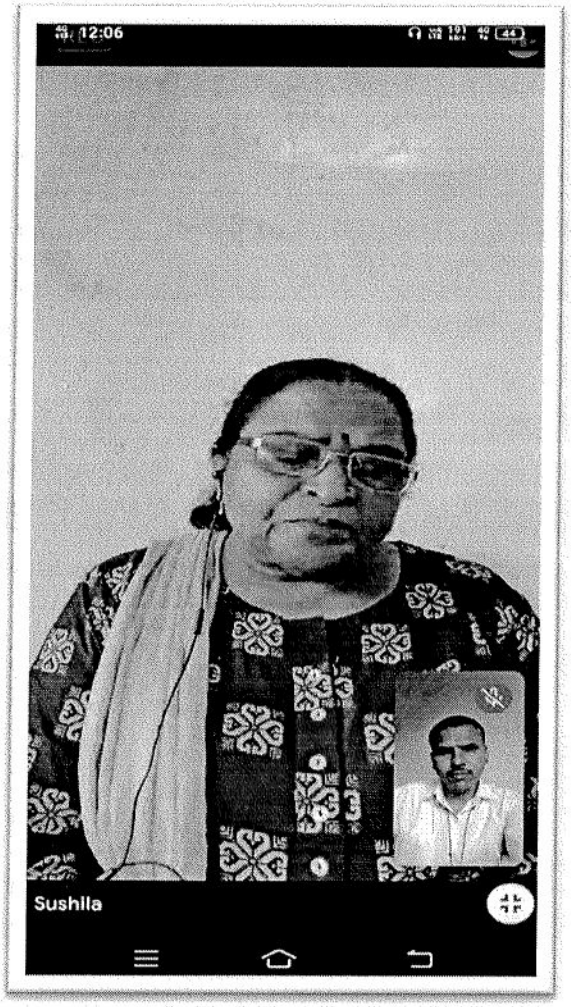

राष्ट्रीय व्याख्यान में उपस्थित छात्र-छात्राएँ।*

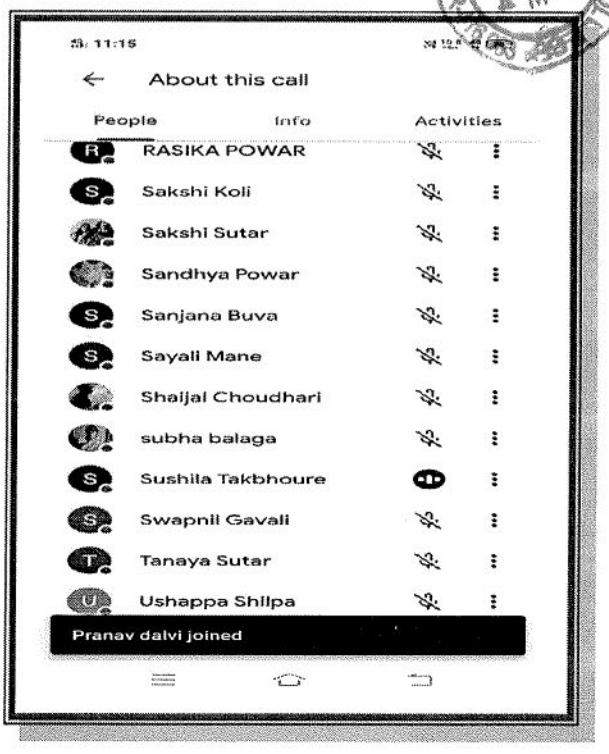

KOLHAPUR * VIVEKANAND COLLEGE * ESTD JUNE 1964

'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार'

–शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2020-2021

दिनांक: 09/07/2021

'स्त्री और दलित विमर्श के मायने' राष्ट्रीय व्याख्यान की रिपोर्ट

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त) के हिंदी विभाग की ओर से 9 जुलाई, 2021 को सुबह 11.00 बजे 'स्त्री और दलित विमर्श के मायने' विषय पर राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान छात्रों के मन में स्त्री और दलितों के प्रति संवेदना जागृत करने, उनके साथ मानवता का व्यवहार करने और भोगा हुआ यथार्थ अंकित करने वाली लेखिका डॉ. सुशीला टाकभौर से रू-ब-रू होने हेतु आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार डॉ. सुशीला टाकभौरे जी मौजूद थी। उन्होंने कहा कि स्त्री और दलित दोनों वर्ग सदियों से शोषित, पीड़ित और वंचित रहे हैं। स्त्री हमेशा शोषित रही है मगर यदि वह दलित स्त्री है तो उसका दोहरा शोषण होता है। दलित और नारी वर्ग के साथ समता एवं मानवता का व्यवहार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. आर. कुंभार थे। कार्यक्रम की प्रस्तावना हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरिफ महात ने की। कार्यक्रम का आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक तुपे ने माना। सूत्रसंचालन बी. ए. भाग तीन की छात्रा कु. काजल इंडिकर ने किया। कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. आर. कुंभार जी का प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम में देश भर से प्राध्यापक, संशोधक, हिंदी प्रेमी छात्र समेत महाविद्यालय के हिंदी विभाग के बी. ए. भाग एक, दो और तीन के छात्र बड़ी संख्या में ऑनलाइन उपस्थित थे।

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964

डॉ. दीपक तुपे
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

डॉ. आरिफ महात
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

पुढारी

दलित, महिलांना समतेची वागणूक द्या : टाकभौरे

कोल्हापूर : पुढारी वृत्तसेवा

समाजामध्ये वर्णभेद, वर्गभेद, जातिभेद, लिंगभेद वाढत चालला आहे. त्यामुळे स्त्री आणि दलितांची स्थिती चिंताजनक होऊ लागली आहे. दलित व महिलांना कायद्याने सर्व अधिकार मिळाले आहेत; परंतु समाजामध्ये वास्तविकता खूपच विदारक आहे. जोपर्यंत समाज दलित आणि महिलांना सन्मान देत नाही तोपर्यंत समाजातील विषमता दूर होणार नाही. त्यासाठी त्यांना समानतेची वागणूक दिली पाहिजे, असे प्रतिपादन लेखिका सुशीला टाकभौरे यांनी केले.

विवेकानंद कॉलेजच्या हिंदी विभागाच्या वतीने 'स्त्री और दलित विमर्श के मायने' या विषयावर आयोजित ऑनलाईन राष्ट्रीय व्याख्यानात त्या बोलत होत्या. अध्यक्षस्थानी प्राचार्य डॉ. आर.आर. कुंभार होते.

लेखिका टाकभौरे म्हणाल्या, वर्तमान काळातसुद्धा स्त्री आणि दलित वर्गावर अन्याय होत आहे. त्यांचे शोषण होत आहे. हे थांबवण्यासाठी मनुवादी मानसिकता बदलली पाहिजे.

प्रास्ताविक हिंदी विभाग प्रमुख डॉ.आरिफ महात यांनी केले. डॉ. दीपक तुपे यांनी आभार मानले.

My Kolhapur Edition
Jul 11, 2021 Page No. 3
newspaper.pudhari.co.in

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003